भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1743 का उत्तर

एबीएसएस के अंतर्गत बक्सर, डुमरांव और रघुनाथपुर स्टेशनों का विकास

1743. श्री सुधाकर सिंहः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बिहार के बक्सर जिले के अंतर्गत बक्सर, डुमरांव तथा रघुनाथपुर स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत विकास के लिए चुना गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त स्टेशनों की वर्तमान स्थिति क्या है तथा उक्त कार्य के प्रारंभ होने और पूरा होने की तिथि क्या है; और

(ग) क्या अधिकारियों तथा ठेकेदारों के कारण कार्य को पूरा करने में देरी हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बक्सर, डुमरांव और रघुनाथपुर रेलवे स्टेशनों को पुनर्विकास के लिए चिन्हित किया है। इन स्टेशनों पर कार्य की प्रगति नीचे दी गई है:

डुमरांव स्टेशन: डुमरांव स्टेशन पुनर्विकास कार्य की मास्टर योजना में निम्नलिखित कार्यों की परिकल्पना की गई है:

- मुख्य प्रवेश द्वार पर नया स्टेशन भवन
- नया 6 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल
- दोनों प्रवेश द्वारों पर परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार
- नया प्लेटफॉर्म शेल्टर
- नया प्लेटफॉर्म सं. 3

इस स्टेशन पर नए मुख्य प्रवेश द्वार स्टेशन भवन, नए प्लेटफॉर्म, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए 6 मीटर चौड़े पैदल पार पुल, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के सुधार का कार्य शुरू किया गया है।

रघुनाथपुर स्टेशन: रघुनाथपुर स्टेशन पुनर्विकास कार्य की मास्टर योजना में निम्नलिखित कार्यों की परिकल्पना की गई है:

- मुख्य प्रवेश द्वार पर नया स्टेशन भवन
- नया 6 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल
- मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार
- प्लेटफॉर्म सं. 3 की सतह को ऊंचा करना

इस स्टेशन पर नए स्टेशन भवन का कार्य, 6 मीटर पैदल पार पुल, मुख्य प्रवेश द्वार की ओर परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार और प्लेटफॉर्म सतह को ऊंचा करने का कार्य शुरू किया गया है। हाल के वर्षों में बक्सर स्टेशन में, मौजूदा पैदल पार पुल में रैंप का कार्य और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार कार्य पूरा हो चुका है। प्रतीक्षालय, प्लेटफॉर्म सतह, शौचालय और लाइन सं. 1, 4 और 5 के गिट्टी रहित रेलपथ में सुधार के कार्यों को स्वीकृति दी गई है।

इसके अलावा, 'अमृत भारत स्टेशन' योजना के तहत बक्सर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए मास्टर योजना शुरू की गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए मास्टर योजना एक पुनरावृत्त प्रक्रिया है जिसके लिए अनुकूलन की आवश्यकता होती है और इस स्तर पर ऐसे अनुकूलन के लिए समय सीमा इंगित नहीं की जा सकती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नलिखित कार्य है:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े पैदल पार पुल/सब-वे की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यावरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमतृ भारत स्टेशन योजना के अतंर्गत 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से बक्सर, डुमरांव और रघुनाथपुर सहित 98 रेलवे स्टेशन बिहार में स्थित हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिहार राज्य में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बड़हिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहारशरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौराम मधेपुरा, डेहरी-ऑन-सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर जं., जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झंझारपुर, कहलगांव, करागोला रोड, कटिहार जं, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीमिनिया, लखीसराय जं., मधुबनी, महेश खुंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मसरख, मोकामा, मोतीपुर मुंगेर, मुजफ्फरपुर जं., नबीनगर रोड, नरकटियागंज जं., नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना जं., पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमल, सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं., सुल्तानगंज, सुपौल, तरेगना, ठाकुरगंज, थावे

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:</u>

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। बिहार में कार्य संपन्न स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	8	बनमनखी, दौरम मधेपुरा, कहलगांव, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सिमुलतला, थावे

बिहार के अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों के प्रगति कार्य नीचे दी गई है:

- गया स्टेशन: दूसरे नए प्रवेश आगमन भवन का कार्य पूरा कर लिया गया है। द्वितीय नए प्रवेश प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्लेटफॉर्म संख्या 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार के कार्य किए गए हैं।

- मुजफ्फरपुर स्टेशन: संयुक्त टर्मिनल भवन, 3 मीटर चौड़ा स्काईवॉक (उत्तर की ओर), बुकिंग काउंटर और कार्यालय भवनों का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य स्टेशन भवन (चरण-1), एलिवेटेड रोड, आगमन टर्मिनल भवन, प्रस्थान टर्मिनल भवन, बहु-स्तरीय कार पार्किंग, 6 मीटर चौड़ा स्काईवॉक (दक्षिण की ओर), 18 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- किशनगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म की सतह बनाने, प्लेटफॉर्म सं. 1 और 2 पर पीने के पानी के नल लगाने, परिचलन क्षेत्र में सुधार, दूसरे प्रवेश द्वार पर पार्किंग, पहुंच मार्ग और बाउंड्री वॉल का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म शेल्टर और 12 मीटर पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- लखीसराय जंक्शन स्टेशन: नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन का कार्य, ऊपरी पैदल पुल का विस्तार और परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए लिफ्ट की संस्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- ठाकुरगंज स्टेशन: 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य, प्लेटफॉर्म सं. 2 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय ब्लॉक और प्लेटफॉर्म सं. 1 की सतह को ऊंचा करने का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म सं. 1 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड और रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार निर्माण कार्य किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति,

विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ अपेक्षित होती हैं। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करने, अतिलंघनों, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड कार्य संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, समय और लागत में वृद्धि की जांच, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और लेखापरीक्षा शामिल है। भारतीय रेल परियोजना स्वीकृति और प्रबंधन (आईआरपीएसएम) नामक भारतीय रेल के समर्पित पोर्टल के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की निगरानी की जाती है। विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विशिष्टताओं का पालन करते हुए कार्य किए जाते हैं। एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक टीमों द्वारा समय-समय पर निर्धारित निर्देशों के अनुसार निरीक्षण/लेखा परीक्षा/जाँच की जाती है और सुधार हेतु त्वरित कार्रवाई की जाती है। निष्पादन इकाइयों के सामने आने वाली समस्याओं का तदनुसार समाधान किया जाता है। यह एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रकिया है।

****